

Hanuman Chalisa in Hindi

श्रीगुरु चरण सरोज रज,
निज मनु मुकुरु सुधारि।
बरणौ रघुबर बिमल जसु,
जो दायकु फल चारि॥1॥

बुद्धिहीन तनु जानिके,
सुमिरौ पवनकुमार।
बल बुद्धि बिद्या देहु मोहिं,
हरहु कलेश विकार॥2॥

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर॥

रामदूत अतुलित बल धामा,
अंजनि पुत्र पवनसुत नामा।
महाबीर बिक्रम बजरंगी।
कुमति निवार सुमति के संगी॥3॥

कञ्चन बरण बिराज सुबेसा।
कानन कुण्डल कुञ्चित केसा।
हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै।
काँधे मूँज जनेऊ साजै॥4॥

शङ्कर सुवन केसरी नन्दन।
तेज प्रताप महाजग बंदन।
विद्यावान गुणी अति चातुर।
राम काज करिबे कौशल पूर॥5॥

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया।
सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा।
विकट रूप धरि लंक जरावा॥6॥

भीम रूप धरि असुर सञ्घरे।
रामचंद्र के काज सवारे।
लैय सजीवन लखन जियाये।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये॥7॥

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई।
सहस बदन तुम्हरो यश गावै।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावै॥8॥

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीशा।
नारद सारद सहित अहीशा।
यम कुबेर दिगपाल जहाँ ते।
कवि कोविद कहि सके कहाँ ते॥9॥

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा।
राम मिलाय राजपद दीन्हा।
तुम्हरो मंत्र बिभीषण माना।
लकेश्वर भए सब जग जाना॥10॥

युग सहस्र योजन पर भानू।
लील्यो ताहि मधुर पल जानू।
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं।
जलधि लांघि गये अचरज नाहीं॥11॥

दुर्गम काज जगत के जेते।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते।
राम दुआरे तुम रखवारे।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे॥12॥

सब सुख लहैं तुम्हारी सरना।
तुम रच्छक काहू को डर ना।
आपन तेज सम्हारो आपै।
तीनों लोक हांक तैं कांपै॥13॥

भूत पिसाच निकट नहिं आवैं।
महावीर जब नाम सुनावैं।
नासै रोग हरैं सब पीरा।
जपत निरंतर हनुमत बलबीरा॥14॥

संकट सैंधूर नमन तैं आनै।
जय जय जय हनुमान गोसाईं।
कृपा करहुँ गुरुदेव की नाई।
जो शत बार पाठ कर कोई॥15॥

छूटहि बंदि महा सुख होई।
जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा।
होय सिद्धि साखी गौरीसा।
तुलसीदास सदा हरि चरा॥16॥

Hanuman Chalisa in Marathi

श्री गुरु चरण सरोज रज,
निज मन मुकुर सुधारि।
बरणौ रघुबर बिमल यशु,
जो दायकु फल चारि॥१॥

बुद्धिहीन तनु जानिके,
सुमिरौ पवनकुमार।
बल बुद्धि बिद्या देहु मोहि,
हरहु कलेश विकार॥२॥

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर।
जय कपीस तिहुं लोक उजागर॥३॥

रामदूत अतुलित बलधामा,
अंजनि पुत्र पवनसुत नामा।
महावीर बिक्रम बजरंगी।
कुमति निवार सुमति के संगी॥४॥

कञ्चन बरण केसरी नंदन।
तेज प्रताप महा जग बंदन।
विद्यावान गुणी अति चातुर।
राम काज करिवें कौशल प्रताप॥५॥

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया।
सूक्ष्म रूप धरिसियहिं दिखावा।
बिकट रूप धरि लंक जरावा॥६॥

भीम रूप धरि असुर संहारे।
रामचंद्र के काज सवारे।
लै सजीवन लखन जियाये।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये॥७॥

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई।
सहस बदन तुम्हरो यश गावै।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावै॥८॥

संकट कटै मिटै सब पीरा।
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।
जय हनुमान ज्ञान गुण सागर।
जय कपीस तिहुं लोक उजागर॥९॥

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर।
जय कपीस त्रिहं लोक उजागर॥९॥

कल्याणरूप प्रकटित दिनमुखी।
कल्याणरूप प्रकटित दिनमुखी।
कल्याणरूप प्रकटित दिनमुखी।
कल्याणरूप प्रकटित दिनमुखी॥१०॥

Hanuman Chalisa in English

Shri guru charan saroj-raj,
Nij manu mukuru sudhaari.
Baranau raghubar bimal jasu,
Jo daayaku phal chaari.

Buddhiheen tanu jaanike,
Sumirau pavan kumaar.
Bal buddhi vidyaa dehu mohin,
Harahu kalesh vikaar.

Jai hanuman gyaan gun saagar,
Jai kapiis tihun lok ujaagar.

Raamadoot atulit bal dhaama,
Anjani putra pavansut naama.
Mahaabeer bikram bajarangi,
Kumati nivaar sumati ke sangi.

Kanchan baran biraj subesa,
Kaanana kundal kunchit kesa.
Haath bajra au dhvaja birajai,
Kaanthe moonj janeu sajai.

Shankar suvan keshari nandan,
Tej prataap mahaajag bandan.
Vidyaavaan guni ati chaatur,
Raam kaaj karibe kaushal poor.

Prabhu charitra sunibe ko rasiaa,
Raam lakhana seetaa man basiaa.
Sookshma roop dhari siyahin dikhavaa,
Vikat roop dhari lank jaraavaa.

Bheem roop dhari asur sanghare,
Raamchandra ke kaaj savaare.

Lai sajeevan lakhana jiyaaye,
Shri raghubeer harashi ur laaye.

Raghupati keenhi bahut badaai,
Tum mam priya bharamahi sam bhaai.
Sahas badan tumharo yash gaavaai,
As kahi shreepati kanth lagaavai.

Sanakaadik brahmaadi muneesha,
Naarad saarad sahit aheeshaa.
Yam kubera digapaal jahaan te,
Kavi kovid kahi sake kahaan te.

Tum upakaar sugreevahi keenha,
Raam milaay raajapad deenha.
Tumharo mantr bibheeshan maanaa,
Lankeshwar bhaye sab jag jaanaa.

Yug sahasra yojan par bhaanoo,
Leelyo taahi madhur pal jaanoo.
Prabhu mudrikaa meli mukh mahee,
Jaladhi laanghi gaye acharaj naahee.

Durgam kaaj jagat ke jete,
Sugam anugrah tumhare tete.
Raam duaare tum rakhavaare,
Hot na aajnyaa binu paisaare.

Sab sukh lahai tumhaari sarna,
Tum rachchak kaahoo ko dar na.
Aapan tej samhaaro aapai,
Teenon lok haank te kaanpai.

Bhoot pisaach nikat nahin aavai,
Mahaaveer jab naam sunaavai.
Naasai rog harai sab peera,
Japat nirantar hanumat balbeera.

Sankat se jhoondi namana te aavai,
Jai jai jai hanumaan gosaai.
Kripaa karahu guru dev kee naaee,
Jo shat baar paath kar koi.

Chhootahi bandi mahaa sukh hoee,
Jo yah padhai hanumaan chaleesaa.

Hoyi siddhi saakhee gaurisaa,
Tulasidaas sadaa hari cheraa.

Hanuman Chalisa in Sanskrit (Devanagari)

श्रीगुरु चरण सरोज रज,
निज मनु मुकुरु सुधारि।
बरणौ रघुबर बिमल जसु,
जो दायकु फल चारि॥1॥

बुद्धिहीन तनु जानिके,
सुमिरौ पवनकुमार।
बल बुद्धि बिद्या देहु मोहिं,
हरहु कलेश विकार॥2॥

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर॥3॥

रामदूत अतुलित बल धामा,
अंजनि पुत्र पवनसुत नामा।
महाबीर बिक्रम बजरंगी।
कुमति निवार सुमति के संगी॥4॥

कञ्चन बरण बिराज सुबेसा।
कानन कुण्डल कुञ्चित केसा।
हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै।
काँधे मूँज जनेऊ साजै॥5॥

शङ्कर सुवन केसरी नन्दन।
तेज प्रताप महाजग बंदन।
विद्यावान गूणी अति चातुर।
राम काज करिबे कौशल पूर॥6॥

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया।
सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा।
विकट रूप धरि लंक जरावा॥7॥

भीम रूप धरि असुर सञ्घरे।
रामचंद्र के काज सवारे।

लैय सजीवन लखन जियाये।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाये॥8॥

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई।
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई।
सहस बदन तुम्हरो यश गावै।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावै॥9॥

सनकादिक ब्रह्मादि मनीशा।
नारद सारद सहित अहीशा।
यम कुबेर दिगपाल जहाँ ते।
कवि कोविद कहि सके कहाँ ते॥10॥

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा।
राम मिलाय राजपद दीन्हा।
तुम्हरो मंत्र बिभीषण माना।
लकेश्वर भए सब जग जाना॥11॥

युग सहस्र योजन पर भानू।
लौल्यो ताहि मधुर पल जानू।
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं।
जलधि लांघि गये अचरज नाहीं॥12॥

दुर्गम काज जगत के जेते।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते।
राम दुआरे तुम रखवारे।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे॥13॥